



ग्वालियर हादसे के पीड़ित परिवारों के घर पहुँचे सीएम, हर आँख नम लेकिन ढाढस बंधाने पहुंची सरकार

आंसुओं के बीच मोहन मरहम

मृदुभाषी | ग्वालियर

ग्वालियर के सातऊ ग्राम पंचायत स्थित शीतला माता मंदिर के समीप हुए उस हृदयविदारक हादसे ने पूरे अंचल को झकझोर कर रख दिया है, जिसके गम में आज भी कई घर सूने पड़े हैं। इस दुखद घड़ी में शोकसंतप्त परिवारों के आंसू पोंछने और उनके जख्मों पर मरहम लगाने खुद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनके घर पहुँचे। शनिवार देर रात हुए इस दर्दनाक हादसे के बाद सोमवार को मुख्यमंत्री सीधे शोकसंतप्त परिजनों के निवास पहुँचे, जहाँ हर आँख नम थी लेकिन मुखिया के पहुँचने पर अपनों को खोने का दर्द साझा करते हुए परिजनों का कलेजा भर आया।

मुख्यमंत्री ने एक-एक कर दिवंगत स्व. सरला तोमर, दिव्यांशु कुशवाह, सतेन्द्र सिंह गुर्जर, प्रिंस उर्फ छोटू जाटव, नीतेश (रितेश), हेमंत राठौर, पवन राठौर, लव त्यागी, अमन त्यागी और अशोक त्यागी के घर जाकर उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों को ढाढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों को ढाढस बंधाते हुए राज्य शासन की ओर से तात्कालिक सहायता के रूप में सभी 10 मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे। इस संवेदनशील मौके पर मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

10 मृतकों के परिजनों को सौंपे 4-4 लाख के सहायता चेक, सिंधिया समेत कई दिग्गज रहे मौजूद



मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना में मृतकों के परिजनों से उनके निवास पर पहुँचकर मुलाकात की और सहायता राशि के चेक सौंपे।

मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद भारत सिंह कुशवाह, अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव, वन विकास निगम के अध्यक्ष रामनिवास रावत, विधायक मोहन सिंह राठौर, जयप्रकाश राजौरिया और प्रेम सिंह राजपूत समेत तमाम जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने पीड़ित परिवारों के घर पहुँचकर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

मेडिकल कॉलेज के डीन पर हमला

मुख्यमंत्री के रवाना होने के ठीक बाद ट्रॉमा सेंटर के बाहर भारी हंगामा शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ को मनोज शर्मा नामक व्यक्ति ने थपपड़ जड़ दिया। डीन पर अचानक हुए हमले से वहाँ मौजूद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साई भीड़ ने आरोपी मनोज शर्मा को दबोच लिया और मौके पर ही उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस दोहरी घटना के बाद से अस्पताल, प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्रॉमा सेंटर के बाहर महिला CM की गाड़ी के आगे लेटी

ग्वालियर। शीतला माता मंदिर हादसे में घायल हुए लोगों का हाल जानने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के ट्रॉमा सेंटर पहुँचे। इस दौरान अस्पताल परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सीएम से मिलने से रोके जाने पर एक महिला आक्रोशित होकर सीधे मुख्यमंत्री के काफिले की गाड़ी के आगे लेट गई। सुरक्षाकर्मियों द्वारा महिला को वहाँ से हटाने के बाद मुख्यमंत्री का काफिला रवाना हुआ, जिसके तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज के डीन को थपपड़ मारे जाने की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। अस्पताल में घायलों और उनके परिजनों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि इस पूरे हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटना के कारणों की तहकीकात की जा रही है और घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय उपचार उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट और सांसद भारत सिंह कुशवाहा भी उनके साथ मौजूद रहे।



जबलपुर की पारले-जी बिस्कुट फैक्ट्री में आग

मृदुभाषी | जबलपुर

जबलपुर स्थित रिछाई औद्योगिक क्षेत्र में पारले-जी बिस्कुट फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुँचीं। आग पर काबू पाने के साथ-साथ परिसर में सुरक्षित बचाव अभियान भी युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष भारद्वाज ने बताया कि रिछाई औद्योगिक क्षेत्र में आग लगने की सूचना मिलते ही आधारताल थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुँच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौके पर 8 से अधिक दमकल वाहन आग बुझाने के काम में जुटे हुए हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका



जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी, हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आग लगने के वास्तविक कारणों का पुख्ता पता फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम की गहन जाँच और आकलन के बाद ही चल सकेगा। राहत की बात यह है कि इस भयानक हादसे में फिलहाल किसी के हाताहत होने का गंभीर रूप से घायल होने की कोई सूचना नहीं मिली है। आग की वजह से फैक्ट्री को कितना आर्थिक नुकसान पहुँचा है, इसका आकलन नहीं किया जा सका है।

अजित अगरकर की ली जगह, रमेश पोवार भी सिलेक्शन कमेटी में शामिल

प्रज्ञान ओझा बने बीसीसीआई के नए चीफ सिलेक्टर

मृदुभाषी | नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की सीनियर पुरुष चयन समिति को नया नेतृत्व मिल गया है। पूर्व दिग्गज बाएं हाथ के स्पिनर प्रज्ञान ओझा को अजीत अगरकर की जगह बीसीसीआई का नया चीफ सिलेक्टर (मुख्य चयनकर्ता) नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि अजीत अगरकर का कार्यकाल गत 4 अक्टूबर 2026



को समाप्त हो चुका है। उनके जाने से खाली हुई जगह पर पूर्व स्पिनर रमेश पोवार को सिलेक्शन कमेटी में शामिल किया गया है। अब पुरुष टीम की नई चयन समिति

में प्रज्ञान ओझा (चेयरमैन) के साथ-साथ शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार सदस्य के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। नए चीफ सिलेक्टर प्रज्ञान ओझा ने भारत के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने देश के लिए 24 टेस्ट मैचों में 113 विकेट, 18 वनडे मैचों में 21 विकेट और 6 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 10 विकेट झटके हैं।

बड़े नाम क्यों नहीं बनते सिलेक्टर ?

भारतीय क्रिकेट में अक्सर यह सवाल उठता रहा है कि देश के बड़े और दिग्गज क्रिकेटर इस जिम्मेदारी से क्यों कतराते हैं। कमाई का अंतर: साल 2012 से पहले सिलेक्टर को मानदेय मिलता था, लेकिन अब चीफ सिलेक्टर को सालाना 3 करोड़ और अन्य सदस्यों को 1 करोड़ मिलते हैं। इसके बावजूद,

संन्यास ले चुके बड़े दिग्गज खिलाड़ी कमेंट्री, कोचिंग और एक्सपर्ट एनालिस्ट के जरिए इससे कहीं अधिक कमाई आसानी से कर लेते हैं। भागदौड़ भरी जीवनशैली: सिलेक्शन कमेटी के हर सदस्य को साल के अधिकांश दिन देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों में रणजी समेत अन्य घरेलू

मैच देखने के लिए लगातार यात्रा करनी पड़ती है। आलोचना का दंश: टीम चयन के बाद सोशल मीडिया और विशेषज्ञों के निशाने पर आने का डर और चयन प्रक्रिया से जुड़ा भारी दबाव भी एक बड़ा कारण है, जिसके चलते कई बड़े दिग्गज इस भूमिका से दूरी बनाए रखते हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत



डॉ. मोहन यादव



विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है।

भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पण्डितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है।

विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना होयही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है।

आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है। अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शक्तिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी ढांचों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कोशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा

ले, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए।

सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नायियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है।

मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों को निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे—यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है।

विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है।

आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करें। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय—इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें।

सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं। (लेखक-मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।)



रोशनी से जगमग पांडाल में खूब जमा गरबा का रंग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। नवरात्रि में माहेश्वरी समाज द्वारा हाटगली में माहेश्वरी समाज भवन प्रांगण में आयोजित गरबा रास में गरबा का रंग जमा।रोशनी से जगमग पांडाल में महिला, पुरुष व युवतियों ने गरबा किया। गुजराती परिधानों में गरबा रास किया गया। अंतिम दिन होने के कारण महाआरती रात 11 बजे हुई। उसके बाद प्रसाद

गरबा रास के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश आलीराजपुर। गरबा की थाप, पारंपरिक वेशभुषा, कभी-कभी ड्रेसकूड, भारतीय संस्कृति की झलक और सामाजिक सरोकार से जुड़े संदेश यह सब हुआ, राठौड़ वीर दुगार्दास गरबा मंडल, तिलक मार्ग के गरबा पांडाल में। यहां पर हुए गरबा सिर्फ धार्मिक आस्था का केन्द्र ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना व सामाजिक जागरूकता का अनुठा मंच बन गया है। जिस अनुशासन से गरबा रास हो रहा है, आयोजक खुशी से झूम उठे है।

दूसरा सारंगामा की लाईव प्रस्तुति ने ऐसा रंग जमा दिया कि गरबा प्रेमी पांडाल से हटने का नाम नहीं लेते। कृष्णकान्त बेड़िया ने बताया कि नवरात्रि के सातवें दिन महाआरती और महाप्रसादी के वितरण के बाद चालु हुआ गरबा रास एवं गरबा नृत्य 1 बजे अल्प ब्रेक के कारण कुछ देर रुका रहा और स्वल्पाहार के बाद रात्रि 1:30 जो गरबा रास शुरू हुआ, जो सुबह 4 बजे तक चला।

41 फिट के रावण के पुतले का होगा दहन

कुंमकर्ण और मेघनाथ के 21-21 फिट के पुतले भी जलाए जाएंगे, जोरदार आतिशबाजी होगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर में इस वर्ष विजयदशमी दशहरा पर कल 20 अक्टूबर को 41 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ कुंभकरण व मेघनाथ के 21-21 फीट के ऊंचे पुतले का दहन होगा। सैकड़ों वर्षों से परंपरागत रूप से मां बगरांव के मंदिर के समित स्थित मैदान पर रावण के पुतले का दहन होता आ रहा है, लेकिन इस बार रावण दहन नए स्थान पर तीर्थ यात्री सेवा सदन के पीछे वाले मैदान में होगा। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

उल्लेखनीय है कि नगर में उस समय में दशहरा पर्व पर रावण के पुतले का निर्माण नगर के ही सामाजिक कार्यकताओं द्वारा नगर वासियों से चंदा एकत्रित कर स्थानीय कलाकारों के हाथों करवाया जाता था, वहीं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम जी एवं भैया लक्ष्मण की सवारी की व्यवस्था होती थी। लेकिन पिछले 25 वर्षों से रावण दहन का आयोजन - नगर परिषद द्वारा किया जाकर रावण के पुतले का निर्माण तथा आतिशबाजी के लिए टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कार्य करवाया



जा रहा है।

राम-लक्ष्मण की मय्य शोभायात्रा निकलेगी

इस वर्ष विजय अहिरवार भोपाल द्वारा रावण तथा मेघनाथ कुंभकरण के पुतले का निर्माण किया गया है। दशहरा पर 5:30 बजे जिला रोड स्थित श्री सांवरिया नाथ मंदिर से पूजा अर्चना के बाद नगर में भगवान श्री राम जी एवं लक्ष्मण जी और हनुमान जी की शोभायात्रा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्ण गणवेश धारी स्वयंसेवकों के पथ संचलन के साथ प्रारंभ होगी। शोभायात्रा नगर के

प्रमुख मार्ग से होते हुए रावण दहन स्तर पर पहुंचेगी। जहां पर वरिष्ठ प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों के साथ नगर परिषद पदाधिकारी व अधिकारी मौजूद रहेंगे। वहां पर भगवान श्री राम का पूजन आरती करेंगे। रावण दहन के पूर्व नगर पंचायत द्वारा आगरा तथा गुना से बुलाए गए आतिशबाजों द्वारा रंगारंग व आकर्षक आतिशबाजी के नजारे आकाश में दिखाए जाएंगे। जिसका लुत्फ नगर के हजारों वर्षों द्वारा उठाया जाएगा आतिशबाजी के पश्चात मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम अग्निबाण चलकर दशानन कुंभकरण मेघनाथ के पुतला का दहन करेंगे।



कार्रवाई

सिंधाना पुलिस की दबिश में दो देशी पिस्टल और आठ बारह बोर के कट्टे जब्त, एक आरोपी फरार

3 गिरफ्तार, 10 हथियार और 6 कारतूस बरामद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त का मामला सामने आया है। मनावर थाना क्षेत्र की सिंधाना चौकी पुलिस ने ग्राम ब्राह्मणपुरी के बयडीपुरा में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो देशी पिस्टल, आठ बारह बोर के देशी कट्टे और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। हथियारों के इस कथित कारोबार में शामिल एक अन्य आरोपी पवन भाटिया फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और 13,500 रुपए नकद सहित करीब 2 लाख 10 हजार रुपए का मशरूका जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और एसडीओपी मनावर प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है।



इसी दौरान सिंधाना चौकी पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम ब्राह्मणपुरी के बयडीपुरा में निम के पेड़ के नीचे कुछ लोग अवैध देशी पिस्टल और कट्टे बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर, पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में पवन भाटिया गुलजार भाटिया सिकलीकर निवासी सिंधाना फरार हो गया।

पहले से दर्ज है मामले

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी

सुरजीत पिता नानुसिंह भाटिया निवासी ग्राम लालबाग, धामनोद, वर्तमान निवासी सिंधाना के विरुद्ध मनावर और इंदौर में अवैध हथियारों की बिक्री से संबंधित चार प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। वहीं, शादाब पिता शाहबुद्दीन खान निवासी महिंदपुर सिटी, जिला उज्जैन के विरुद्ध मारपीट, जुआ, तोड़फोड़ और धमकी सहित आठ आपराधिक प्रकरण दर्ज बताए गए हैं। तीसरे आरोपी शैजान अली पिता शेर अली निवासी महिंदपुर सिटी के विरुद्ध मारपीट, अवैध शराब, बलवा और शासकीय कार्य में बाधा सहित 11 प्रकरण दर्ज होने

रतलाम, धार,

झाबुआ, अलीराजपुर

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, इंदौर-दाहोद रेल परियोजना अंतिम दौर में

आदिवासी अंचल में अब पटरी पर दौड़ेगी रेल, सच होने वाला है सपना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। इंदौर से धार तक ट्रेन पहुंचने का वर्षों पुराना सपना अब हकीकत के करीब पहुंचता नजर आ रहा है। आदिवासी अंचल धार में रेल की सीटी सुनाई देने की उम्मीदें तेज हो गई हैं। करीब 45 किलोमीटर लंबे रेलखंड पर ट्रैक तैयार होने के बाद रेलवे ने निरीक्षण और शेष निर्माण कार्यों को पूरा करने की कवायद तेज कर दी है।

रेलवे अधिकारियों की टीम ने धार से सागौर तक ट्रौली में बैठकर रेलखंड का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक की गुणवत्ता, पुल-पुलियों, इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल और निर्माण कार्यों से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा गया। जहां कमियां सामने आईं, वहां सुधार के निर्देश दिए गए। सागौर से पीथमपुर के बीच निरीक्षण किया जाएगा। इसके बाद 28 और 29 अक्टूबर को रेलखंड का सीआरएस निरीक्षण प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण में ट्रैक और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर रेलवे की मुहर लगने के बाद ट्रेन संचालन की दिशा में अगला कदम बढ़ सकेगा। यदि शेष कार्य समय पर पूरे हुए और निरीक्षण में सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गईं, तो दीपावली के बाद इंदौर से धार के बीच ट्रेन दौड़ने की उम्मीद है। रेल सेवा शुरू



होने से आदिवासी अंचल के लोगों को आवागमन का नया विकल्प मिलेगा। इंदौर से धार के बीच यात्रा आसान होने के साथ ही व्यापार, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। अब सबकी निगाहें सीआरएस निरीक्षण पर टिकी हैं, जिसके बाद साफ होगा कि धार तक रेल पहुंचने का इंतजार कब खत्म होगा।

तीन ट्रौलियों में निकले अधिकारी, परखी तैयारियां

मुख्य अभियंता प्लानिंग विकास कुमार टीम के साथ धार पहुंचे। ट्रौलियों में सवार होकर अधिकारियों ने धार से सागौर तक निरीक्षण किया, टीम ने धार से आगे उठावद और गुणावद होते हुए रेलखंड की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान ट्रैक की गुणवत्ता, पुल-पुलियों की स्थिति, सिग्नल

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

22 अक्टूबर को खरगोन। जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 अक्टूबर को जिला रोजगार कार्यालय, खरगोन में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। यह ड्राइव प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगी। इसमें प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्लेसमेंट ड्राइव में ट्रेनी केंद्र मैनेजर एवं मशीन ऑपरेटर के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 5वीं से 12वीं उत्तीर्ण एवं आईटीआई उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयनित युवाओं को 9,500 रुपये से 17,000 रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएफ, ईएसआईसी, बोनस सहित अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इन पदों के लिए कार्यस्थल खरगोन एवं पीथमपुर रहेगा। प्लेसमेंट ड्राइव में 18 से 30 वर्ष आयु भाग ले सकते हैं।

करने पर जोर दिया जा रहा है।

टीही टनल में पटरी बिछी, अब फिनिशिंग के काम

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के इस हिस्से में टीही टनल सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव रही है। करीब 2957 मीटर लंबी सुरंग में पटरी बिछाने का काम पूरा हो चुका है। हालांकि, कुछ हिस्सों में फाउंडेशन और लाइटिंग फिक्स्चर लगाने जैसे कार्य बाकी हैं। सिग्नलिंग से जुड़े उपकरण और कैमरे लगाने की तैयारी भी की जा रही है। रेलवे का लक्ष्य इन कामों को एक से डेढ़ सप्ताह में पूरा करने का है।

28-29 को सीआरएस दौरा, रिपोर्ट के बाद संचालन पर फैसला

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, धार-पीथमपुर रेलखंड पर 28 और 29 अक्टूबर को सीआरएस का दौरा प्रस्तावित है। निरीक्षण में सुरक्षा और तकनीकी मानकों की जांच की जाएगी। इसके बाद निरीक्षण रिपोर्ट के लिए कच्चा माल लाना और तैयार माल देशभर में भेजना आसान होगा। सीधे रेल नेटवर्क से लॉजिस्टिक्स लागत में बड़ी कमी आएगी। स्थल मांडव (मांडू) आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों के लिए धार सबसे नजदीकी प्रमुख रेलवे स्टेशन बनेगा, जिससे स्थानीय पर्यटन उद्योग को गति मिलेगी।

हवन भंडारे के साथ कन्या भोज

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नागझिरी। गांव में शारदीय नवरात्रि पर्व का समापन यज्ञों में आहुतियां और विशाल भंडारों के आयोजन के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्वक हुआ। नौ दिनों तक गांव में धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर 20 से अधिक दुर्गा पंडाल सजाए गए, जहां मां दुर्गा की प्रतिमाओं को स्थापना कर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

नवरात्रि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की। कई व्रतधारियों ने नौ दिनों तक निराहार रहकर व्रत और उपासना की। वहीं, विभिन्न दुर्गा पंडालों में महिलाओं ने गरबा-रास कर माता की भक्ति की और रात्रि जागरण के आयोजन किए। भक्तों ने नवमी के अवसर पर घरों में कन्या पूजन कर कन्याओं को भोजन कराया गया।



जगह-जगह विशाल भंडारे

नवरात्रि के समापन अवसर पर सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समितियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। इनमें संत बोदरू बाबा समाधि स्थल, दशहरा मैदान स्थित भवानी मंदिर, नया कुआं चौक, शिवानी पंडाल, गरबा उत्सव स्थल, राम मंदिर चौक, ब्रह्मानपुरी, नवलपुरा चौक और रामलीला मैदान सहित अन्य स्थानों पर श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। गांव में सजे दुर्गा पंडाल और आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नौ दिनों

धार्मिक आयोजनों में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नदिरों में बलिभोग अर्पित कर की परंपरा का निर्वहन

नवरात्रि समापन के अवसर पर शाम करीब 5 बजे गांव के विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बलिभोग अर्पित किया गया। इस दौरान नौबू, कढ़ू, डांगरी आदि काटकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया गया। यज्ञ, पूजा-अर्चना, कन्या पूजन और भंडारों के साथ नागझिरी में नवरात्रि पर्व का समापन हुआ।

47 साइलेंसर, 25 प्रेशर हॉर्न पर रोलर चलवाए खण्डवा। यातायात पुलिस द्वारा लगातार यातायात प्रभावित करने वाले एवं यातायात नियमों कि अवहेलना करने वाले एवं मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज आवाज एवं तेज गति से वाहन चलाने वाले व्यक्तियों पर नजर रखते हुए कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस टीम द्वारा बुलट मे मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाछे फोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए कुल 47 मॉडिफाइड साइलेंसर, 25 प्रेशर हॉर्न, 5 नंबर प्लेट निकलवाकर इंदिरा चौक पर रोलर चलवाकर नष्ट किए गए। उक्त कार्यवाही उप पुलिस अधीक्षक यातायात अनिल कुमार राय, थाना प्रभारी यातायात देवेंद्र परिहार एवं यातायात टीम द्वारा कार्यवाही की गई। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करता है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित स्थान पर ही वाहन पार्क करें एवं सड़क पर अतिक्रमण न करें।

विधायक सेना महेश पटेल ने की माँ दुर्गा की आराधना, कन्या पूजन किया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल एवं जोबट विधायक सेना महेश पटेल ने परिवार सहित विधि-विधान से माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान हवन एवं कन्या पूजन कर माता रानी से परिवार, समाज, जिले एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक हवन हुआ। इसके पश्चात कन्या पूजन कर कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। महेश पटेल एवं सेना महेश पटेल ने माँ दुर्गा के समक्ष शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा जिले और प्रदेश के सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली बनी रहने की प्रार्थना की।

विधायक ने मनकामेरवरी माता मंदिर में की पूजा अर्चना

हवन एवं कन्या पूजन के पश्चात बोरखड़ स्थित प्रसिद्ध श्री मनकामेरवरी माता मंदिर पहुँचे। यहाँ उन्होंने माता रानी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद कुलदेवी मंदिर एवं मलवाई माता मंदिर



पहुँचकर भी दर्शन-पूजन किया और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महेश पटेल एवं सेना महेश पटेल ने इस अवसर पर माँ दुर्गा से प्रार्थना की कि आलीराजपुर जिले सहित पूरे मध्य प्रदेश में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहे। किसानों, युवाओं, महिलाओं और प्रत्येक परिवार के जीवन में उन्नति के नए अवसर आएँ तथा सभी के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार हो। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पर्व माँ दुर्गा की आराधना, शक्ति की उपासना और भारीय संस्कृति की धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर हवन, कन्या पूजन और मंदिरों में दर्शन का विशेष महत्व माना जाता है।

टेस्टिंग में ही फूटी सिंचाई योजना की पाइप लाइन

गुणवत्ता पर सवाल, रबी की फसल के लिए पानी मिलने की उम्मीदों को झटका

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खण्डवा। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की गई जावर-सिहाड़ा उद्दहन सिंचाई योजना की पाइपलाइन टेस्टिंग के दौरान ही फूट गई। इस घटना के बाद योजना की गुणवत्ता और निर्माण कार्यों पर सवाल खड़े होने लगे हैं। किसानों ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए निर्माण कार्यों में संभावित भ्रष्टाचार की जांच की मांग उठाई है।

दरअसल, कुछ दिन पहले खंडवा कलेक्ट्रेट सभागृह में खंडवा विधायक की मौजूदगी में किसानों ने कलेक्टर से मुलाकात की थी। इस दौरान किसानों ने जावर-सिहाड़ा उद्दहन सिंचाई योजना के माध्यम से रबी की फसल के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की मांग रखी थी। बैठक में नहर विभाग के



अधिकारी भी मौजूद थे। किसानों को उम्मीद थी कि योजना के जरिए उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा।

किसानों ने उठाए गुणवत्ता पर सवाल

रविवार को सिंचाई के लिए योजना की पाइपलाइन की टेस्टिंग की जा रही थी। इसी दौरान पाइपलाइन फूट गई। टेस्टिंग के दौरान ही सामने आई इस खामी ने योजना के

निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसानों का कहना है कि जब योजना की पाइपलाइन शुरूआती टेस्टिंग में ही जवाब देने लगी है, तो आगे नियमित रूप से पानी की आपूर्ति कैसे सुनिश्चित होगी? किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पड़ताल करने और जिम्मेदार अधिकारियों व संबंधित एजेंसी की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खण्डवा। भक्ति के गरबा की परंपरा खण्डवा में 100 साल पुरानी है। यह सांस्कृतिक सुगंध गुजरात से खण्डवा आई थी। महत्वपूर्ण बात यह है कि गुजरात से निकलकर विभिन्न धर्म –संप्रदाय के लोग खण्डवा आए, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए वे एकजुट हो गए। खण्डवा में वृहत गुजराती समाज 9 घटकों से मिलकर बना है। जिसमे कच्छ कड़वा पाटीदार समाज, दसा श्रीमाली समाज, वीसा लाड़ समाज, चरोतर पटेल समाज,सोरठिया समाज, कच्छी दसा ओसवाल श्वेताम्बर जैन समाज, दसा श्रीमाली जैन श्वेताम्बर समाज, सोनी समाज एवं गुजराती मोड़ समाज शामिल है।

इन सभी समाजो के आराध्य और पूजन पद्धति भले अलग -अलग हो लेकिन इनकी भाषा और सांस्कृतिक पहचान एक ही है। खण्डवा में गरबे की इस परम्परा की शुरूआत ही गुजराती समाज ने की और आज भी यह अनवरत जारी है।पहले यह गरबे पंधाना रोड़ स्थित गुजराती धर्मशाला में ही होते थे लेकिन



इस भवन के जीर्ण -शीर्ण होने से विगत दो वर्षों से यह शुभ -मोती कॉम्प्लेक्स हो रहे है।

गुजरात से ही कैसे शुरू हुई गरबों की परंपरा

समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि गरबा की शुरूआत विशेष रूप से गुजरात से ही होने के पीछेगहरे धार्मिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारण हैं। गुजरात की भूमि पर कुछ ऐसी परिस्थितियां और मान्यताएं एक साथ आई, जिन्होंने इस गरबे को रचा। दरअसल गुजरात सदियों से देवी माता (शक्ति) की उपासना का एक बहुत बड़ा केंद्र

शक्तिपीठों में से एक, अंबाजी शक्तिपीठ, गुजरात में ही स्थित है। इसके अलावा पावागढ़ में महाकाली और बहुचराजी माता के मंदिर गुजरात की संस्कृति के मूल में हैं। देवी अंबा (जगतजननी) के प्रति अगाध श्रद्धा के कारण, वहां ग्रामीण महिलाओं ने माता की आराधना के लिए एक विशेष नृत्य शैली विकसित की, जिसे 'गरबा' (गर्भदीप के इर्द-गिर्द नृत्य) कहा गया।

गरबा और रासलीला का संबंध

सुनील जैन ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, गरबा और डांडिया

की जड़ें भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी हैं। जब श्रीकृष्ण मथुरा छोड़कर गुजरात के द्वारका में बसे, तो वे अपने साथ 'रास' की परंपरा लेकर आए। माना जाता है कि कृष्ण की पुत्रवधू उषा (प्रद्युम्न की पत्नी) ने लास्य नृत्य शैली सीखी थी, जिसे उन्होंने द्वारका और सौराष्ट्र की गोपियों व महिलाओं को सिखाया। यही लास्य नृत्य आगे चलकर गुजरात का पारंपरिक 'गरबा' बना। गरबा जहां यां शक्ति की पूजा से जुड़ा है, वहीं डांडिया रास भगवान कृष्ण की गोपी-संस्कृति (रासलीला) से आता है। यह अद्भुत जुगलबंदी केवल इसी राज्य में देखने को मिलती है। पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा में जहां लोग पंडालों में दर्शन करने (देखने) जाते हैं, वहीं गुजरात की नवरात्रि में हर व्यक्ति (बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक) दर्शक नहीं, बल्कि उत्सव का हिस्सा बनकर शामिल होता है। 2023 में गुजरात के गरबा को वटएरउड की 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किया गया था, जो इसकी वैश्विक महत्ता को दर्शाता है।

त्योहार पर अब 12 बजे तक खुले रहेंगे बाजार

सांसद के प्रयास से प्रशासन का निर्णय



गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। दीपावली तक शहर के बाजार रात 12 बजे तक आबाद रहेंगे। त्योहारों की रौनक, दशहरा तथा अन्य समारोह के दौरान लोग बाजार में निकलते थे। खरीदारी करते थे। चाय और चाट जैसी स्ट्रीट फूड दुकानों पर भी पुलिस 10 बजे बाद ही बंद करने की सिटी बजाने लगती थी। आम लोगों से ज्यादा व्यापारी तबका परेशान था। त्योहारी रौनक पर भी असर पड़ रहा था।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल से इस संबंध कई लोगों एवं दुकानदारों ने अनुरोध किया था कि त्योहारों का पर रात 12:00 बजे तक बाजार खुले रहे। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने आम लोगों की मांग को लेकर कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अगम जैन और अधिकारियों के साथ बैठक की। उनसे श्री पाटिल ने कहा कि कहा गया कि प्रशासन को अपने इंतजाम इस तरह करने चाहिए कि बाजार रात 12 तक खुले रहें। त्योहारों का समय है। लोगों को परेशानी हो रही है। काम करने वाले लोग शाम के बाद ही बाजार में निकलते हैं। स्ट्रीट फूड वाली

दुकान भी 12 बजे तक खुली रहना चाहिए।

रात 12 बजे के बाद ही बजेगी सीटी

सांसद पाटिल के दिशा निर्देश पर प्रशासन ने निर्णय लिया है कि अब 12 बजे रात बाजार खुले रहेंगे बाजार बंद करने की सीटी नहीं बजेगी। व्यापारी रात में भी दुकान खोल सकेगें। ग्राहक इनसे बेखुफ खरीदारी कर सकेंगे। बाजारों में पुलिस की अतिरिक्त व्यवस्था भी की जाएगी।

त्योहारों पर बंदिश कैसी?

हाल ही में दशहरा उत्सव मनाया जाने वाला है। इसमें तो जनता 12 बजे घर से ही निकलती है। 12 बजे तक रावण दहन होता है। लोग बाजारों में होते हुए घर जाते हैं। इस पर प्रशासन कैसे लगाम लगा सकता है? प्रशासन का काम है कि ऐसी व्यवस्थाओं को बनाए रखें, लेकिन त्योहारों के समय पुलिस को भी सहयोग करना चाहिए। दशहरा उत्सव समिति के रावण दहन कार्यक्रमों के कुछ संचालकों ने भी प्रशासन के इस बर्ताव पर कंट्रोल रूम की बैठक में आपत्ती जताई थी।

71 फीट के रावण का होगा दहन

आतिशबाजी के मुकाबले में जीतने वाले को मिलेंगे 11 हजार रुपए

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खण्डवा। माँ दुर्गाजी की आराधना के नवरात्रि पर्व के समापन पर दसमी के दिन मंगलवार को नगर के कई स्थानों पर रावण का दहन किया जाएगा। मोहल्लो और गलियों के साथ ही तीन प्रमुख स्थानों पर बड़े रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित होंगे,भव्य आतिशबाजी के साथ रावण का दहन किया जाएगा।

श्री नीलकंठेश्वर (गोलमोल बाबा) दशहरा उत्सव समिति की ओर से मंगलवार, 20 अक्टूबर को भंडारिया रोड स्थित एएसन कॉलेज खेल मैदान पर दशहरा उत्सव और मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन में 71 फीट ऊंचे रावण



के दहन के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन होगा। आतिशबाजी का विशेष मुकाबला कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

7 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा, दहन 9 बजे

समिति अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद बलराम वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम शाम 7 बजे से शुरू होगा,

जबकि रावण दहन रात 9 बजे किया जाएगा। आतिशबाजी के मुकाबले में हरबा के मुसा भाई और बुरहानपुर के सुनील सर्जे अपनी आतिशबाजी का प्रदर्शन करेंगे। मुकाबले में विजेता को 11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

गोलमोल बाबा मंदिर से जुड़ी है आयोजन की परंपरा

बलराम वर्मा ने बताया कि

बिजासनी माता का मंदिर बना, अब गांव में दर्शन

बड़गांव ओटा में सात घरों के परिवारजनों के सहयोग से 8 दिन में हुआ मंदिर निर्माण

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरबाद। ग्राम बड़गांव ओटा में चौबे परिवार ने अपनी कुलदेवी बिजासनी माता के मंदिर का निर्माण परिवारजनों के सामूहिक सहयोग राशि से कराया है। मंदिर निर्माण से अब परिवार के सदस्यों को कुलदेवी के दर्शन और पूजन के लिए दूर महेश्वर के मातमुर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि गांव में ही माता के दर्शन का लाभ मिल सकेगा।

मंदिर निर्माण के लिए जगदीश चौबे और जितेंद्र चौबे ने अपने पिता दशरथ चौबे के निधन के बाद उनके निवास की जमीन मंदिर



निर्माण के लिए दान की। इसके बाद चौबे परिवार के सात घरों के सदस्यों ने सहयोग राशि देकर मंदिर निर्माण में सहभागिता निभाई। रमेश चौबे ने मंदिर निर्माण का बीड़ा उठाया और परिवारजनों के सहयोग से महज आठ दिनों में मंदिर का भव्य निर्माण पूरा कराया गया।

बिजासनी माता का विधि-विधान से पूजन-अर्चन

नवरात्रि के सातवें दिन नवनिर्मित मंदिर में चौबे परिवार के सदस्यों ने एकत्रित होकर बिजासनी माता का विधि-विधान से पूजन-अर्चन



गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। नवरात्रि की नवमी के पावन अवसर पर नगर परिषद कार्यालय परिसर में वाहन पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव, सचिन शर्मा, स्वच्छता प्रभारी महेश गहलोत एवं पार्षद शैलेंद्र जैन द्वारा विधि-विधान से वाहनों की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर सुख-

समुद्धि एवं वाहनों के सुचारू संचालन की कामना की गई।

आयोजन के दौरान नगर परिषद कर्मचारी जगदीश रत्नपौर, पंकज वेद, मोनू वर्मा, आशीष सावनेर, अनुराग डगर, अक्षय पाल, लकी गुप्ता एवं जयंत करनडे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवमी के शुभ अवसर पर नगर परिषद कार्यालय परिसर में आयोजित इस पूजा में सभी ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

युवा संगम कार्यक्रम 28 अक्टूबर को होगा

गुना। प्रत्येक माह निर्धारित दिवस को युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के समन्वय व सफल आयोजन के लिए कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार सम्बन्धित अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना ने बताया कि सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कोशल विकास एवं रोजगार विभाग,उच्च शिक्षा विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय एवं प्राचार्य शासकीय सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ़ के सौजन्य से 28 अक्टूबर को शासकीय सांदीपनि विद्यालय फतेहगढ़ जिला गुना में प्रातः 11:00 बजे से युवा संगम कार्यक्रम होगा।

अनुकरणीय

माई की मौत के गम ने आंसुओं में डुबोया मिलन

4 साल के बाद लौटे साजिद को मिला परिवार

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। एक बेहद झकझोर देने वाली, मार्मिक और दिल को चीर देने वाली घटना सामने आई है। कहते हैं कि यदि उम्मीद की डोर मजबूत हो, तो वर्षों से बिछड़े हुए अपने भी लौट आते हैं, लेकिन कभी-कभी यह मिलन अपने साथ ऐसा गहरा और कभी न भरने वाला दर्द छोड़ जाता है, जो चेहरे की खुशियों को भी आंसुओं में भिगो देता है। चार साल तक बंधुआ मजदूरी के अमानवीय दलदल में फंसे रहे साजिद (प्रभुजी) को आखिरकार 'अपना घर आश्रम' की मदद से उनका परिवार मिल गया, लेकिन इस मिलन की कीमत परिवार को इतनी भारी चुकानी पड़ी कि बड़े भाई के इंतजार और गुमशुदगी के सदमे में छोटे भाई की सांस हमेशा के लिए थम गई।

इस पूरे भावनात्मक घटनाक्रम की शुरूआत दतिया जिले के थाना अतरेटा क्षेत्र से हुई थी। 1 अक्टूबर 2026 को अतरेटा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम



नागिल का डेरा (बेरछा) में एक मानसिक रूप से अस्वस्थ और असहाय व्यक्ति भटक रहा है। थाना प्रभारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उस व्यक्ति को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। शुरूआती पूछताछ के दौरान वह काफी विक्षिप्त अवस्था में था और केवल अपना नाम साजिद (पिता सुलेमान, निवासी शाहजहांपुर) बता पा रहा था। वह अपने घर, जिले या राज्य के संबंध में कोई भी स्पष्ट जानकारी देने में पूरी तरह असमर्थ था। इसके बाद सेंवद्धा एसडीएम अशोक अवस्थी ने उसे अपना घर आश्रम के सुपुर्द कर दिया गया।

सेवा, चिकित्सा और काउंसलिंग का जिम्मा उठाया

डबरा पहुंचने के बाद आश्रम के संचालक मनीष पांडे और उनकी समर्पित टीम ने साजिद की सेवा, चिकित्सा और काउंसलिंग का जिम्मा उठाया। इस दौरान पता चला कि साजिद पिछले 4 वर्षों से बंधक बने हुए थे और उनसे जबर्न अमानवीय बंधुआ मजदूरी कराई जा रही थी। इस लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना ने उनकी मानसिक स्थिति को बेहद कमजोर कर दिया था। जैसे ही परिजनों को साजिद के सकुशल मिलने की खबर मिली,

वे तुरंत डबरा स्थित अपना घर आश्रम पहुंचे। सालों बाद जब भाई ने साजिद को अपने सामने जीवित देखा, तो वर्षों का सन्न और दर्द एक पल में आंसुओं के सैलाब के रूप में बह निकला। यह मिलन जितना सुकून और राहत देने वाला था, उतना ही अंदर से झकझोर देने वाला भी साबित हुआ। परिजनों ने सिसकते हुए बताया कि साजिद के अचानक गायब होने के बाद से ही पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। उनकी तलाश में दर-दर भटकने और बड़े भाई की जुदाई के गहरे सदमे को उनका छोटा भाई बर्दाश्त नहीं कर सका और कुछ समय पूर्व ही उसका इंतकाल हो गया। परिवार को अपना बेठा और भाई तो वापस मिल गया, लेकिन इस लंबी जुदाई ने उनके घर से एक और चिराग हमेशा के लिए छीन लिया। इस पूरी घटना में दतिया प्रशासन, अतरेटा थाना थुलिस तथा विशेष रूप से अपना घर आश्रम डबरा के संचालक मनीष पांडे और उनकी पूरी टीम के मानवीय प्रयासों की चहुँओर प्रशंसा हो रही है।

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में पारंपरिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ सामूहिक शस्त्र पूजन कार्यक्रम रविवार रात्री को विहिप जिला कार्यालय खरगोन मे संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सनातनी युवाओं के साथ प्रबुद्ध नागरिकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता विहिप विभाग सह मन्त्री शीतल भटोरिया ने शस्त्र पूजन के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में शस्त्र हमेशा असुरों के संहार और धर्म की स्थापना के लिए उठाया गए हैं। भगवान श्री राम ने रावण वध से पहले और महाभारत युद्ध में अर्जुन ने शमी वृक्ष से अपने अस्त्र-शस्त्र निकालकर धर्म की रक्षा के लिए



पूजन किया था।

कार्यकर्ताओं ने पढ़ा हनुमान चालीसा का पाठ

इस दौरान जिला विशेष सम्पर्क प्रमुख दीप जोशी ने कहा कि आज के परिप्रेक्ष्य में शस्त्र पूजन का उद्देश्य समाज में साहस, आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को जागृत करना है। यह पूजा समाज को कायरता का त्याग कर पौरुष दिखाने और विपरीत परिस्थितियों में अपनी व अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग मन्त्री मनोज वर्मा की उपस्थिति मे वैदिक

मंत्रोच्चार और विधि-विधान से देवी अपराजिता एवं शस्त्रों के तिलक व पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी कार्यक्रमताओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया और समाज सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला मन्त्री सौरभ धामपदे ने आत्मरक्षा के लिए सभी को जागरूक और सक्षम बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर हर्ष गुप्ता,मुकेश यादव, रवि वर्मा, सार्थक बिल्लौरे, राजेश सोनी, देवेन्द्र गुप्ता,आकाश डंडीर, सावन प्यासे, काला सोलंकी, पार्थ मालवीया, अनिकेत सोनी आदि मौजूद रहे।

मगरदा सेवा बस्ती में किया 251 कन्याओं का पूजन एवं भंडारा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। सेवा ही संगठन, संस्कार ही शक्ति और शक्ति ही सेवा के मूल मंत्र के साथ सेवा भारती जिला अशोकनगर द्वारा सोमवार को मगरदा सेवा बस्ती में 251 कन्याओं के पूजन एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में सेवा भारती के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 251 कन्याओं का विधि-विधान से पूजन किया गया। कन्याओं के चरण पखारकर,



तिलक लगाकर एवं आरती उतारकर उनका सम्मान किया गया। इसके पश्चात सभी कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया तथा उपहार एवं दक्षिणा भेंट की गई। विशाल भंडारे में सेवा बस्ती के लोगों ने भी सहभागिता की। सेवा भारती के पदाधिकारियों

ने बताया कि कन्या पूजन जैसे आयोजन भारतीय संस्कृति, संस्कारों और नारी सम्मान की भावना को सुदृढ़ करते हैं। संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा कार्यों को पहुंचाना, सेवा बस्तियों में संस्कारों का प्रसार करना तथा बेटियों के प्रति सम्मान

पुलिस का नाम लेकर अवैध वसूली की मांग करने वाले हुए गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा पुलिस की छवि धूमिल करने, पुलिस के नाम एवं पद का दुरुपयोग कर आमजन को गुमराह करने और अवैध वसूली करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने हेतु पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजिव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले की पुलिस द्वारा निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 17 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने का नाम लेकर कथित रूप से अवैध राशि की मांग किए जाने संबंधी जानकारी सामने आई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना ईसागढ़ पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर वायरल वीडियो की जांच प्रारंभ की गई।



जांच के दौरान वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान कल्याण पिता श्री धीरज सिंह लोधी, उम्र 45 वर्ष, निवासी बहेरिया, जिला अशोकनगर के रूप में हुई। थाना ईसागढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में प्रकरण में 59/2026 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

आमजन से अपील -

अशोकनगर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा आमजन से अपील कि है कि पुलिस के नाम, पद अथवा पहचान का दुरुपयोग कर अवैध वसूली करने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहे। ऐसी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल नजदीकी पुलिस थाने अथवा पुलिस हेल्पलाइन पर दें। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले किसी भी वीडियो या सूचना की सत्यता की पुष्टि किए बिना उसे साझा न करें।



माता के भजनों से गूँजे जयकारे कन्या भोज के साथ होगा समापन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। श्री जीणमाता सेवा समिति के तत्वावधान में नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टम मंगल पाठ का भव्य आयोजन मॉडर्न स्कूल के पास गली नं. 1 स्थित प्रदीप खंडेलवाल के निवास पर किया गया। इस दौरान माँ भगवती का मनमोहक महाश्रृंगार कर दरबार सजाया गया। संगीतमय भजनों की प्रस्तुतियों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया और माता के जयकारों से गूँज उठा। समिति के सदस्यों ने पूरे विधि-विधान से मंगल पाठ किया। महाआरती के उपरंत उपस्थित श्रद्धालुओं में महाप्रसाद का

वितरण किया गया। आयोजन में विमल गर्ग, अनिल गर्ग, प्रमोद खंडेलवाल, राजेश सिंघल, राजेंद्र गर्ग, विनोद खंडेलवाल, ब्रजेश खंडेलवाल, आर.के. खंडेलवाल सहित समिति के सभी वरिष्ठ एवं महिलाओं का सराहनीय योगदान रहा। समिति के सानिध्य में नवरात्रि के नौ दिनों तक निरंतर मंगल पाठ का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में आज का नवम मंगल पाठ माथूर कॉलोनी स्थित प्रीति अपार्टमेंट के सामने, राजेश सिंघल के निवास पर आयोजित किया जा रहा है, जहां माँ भगवती के पूजन और कन्या भोज के साथ नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का भव्य समापन होगा।

शिलापट्टिका में विधायक का नाम नहीं होने पर कांग्रेस नाराज

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर प्रेस वार्ता की। जिसमें कहा गया कि नवनिर्मित प्रधान डाकघर अशोकनगर का लोकार्पण किया गया। जिसमें शिलापट्टिका लगाई गई। परंतु शिलापट्टिका में वर्तमान विधायक, इंजी. हरिबाबू राय का नाम शामिल नहीं किया गया है। यह अत्यंत खेदजनक है। कांग्रेस ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जनप्रतिनिधियों के निर्धारित प्रोटोकॉल एवं मर्यादा की अवहेलना को दर्शाता है। यह अपमान विधायक का



नहीं बल्कि अशोक नगर विधानसभा की 2,16,507 जनता का अपमान है, क्योंकि विधायक जनता द्वारा निर्वाचित किया जाता है और जनप्रतिनिधियों के सम्मान एवं पद की गरिमा की अनेकही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वही शिलापट्टी का पर पूर्व

विधायक का नाम लिखा गया है जिसे जनता ने नकारा है फिर भी वह अपना नाम शिलापट्टीका पर लिखवा रहे हैं। कांग्रेस ने इसे भाजपा की ओछी मानसिकता बताया है। कांग्रेस के अनुसार यदि हम नियम की बात करें तो शिला पट्टिका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना राज्य सरकार की 'प्रोटोकॉल हैडबुक' और राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग नियम के अंतर्गत शिला पट्टिका पर क्षेत्रीय विधायक का नाम लिखना अनिवार्य है। ओर अब जिला कांग्रेस कमेटी संबंधित विभाग को लीगल नोटिस भेजेंगी और इसमें जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई करने का काम पार्टी द्वारा किया जाएगा।

रघुवंशी समाज आज करेगा सामूहिक शस्त्र पूजन

गुना। अखिल भारतीय रघुवंशी क्षत्रिय परिषद द्वारा विजयादशमी के पावन पर्व पर सामूहिक शस्त्र पूजन एवं दशहरा मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 20 अक्टूबर मंगलवार को शहर के राजविलास होटल में दोपहर सवा एक बजे से आयोजित होगा। आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज के वरिष्ठजनों और युवा साथियों के मार्गदर्शन में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो चुकी हैं। समाज के सभी वर्गों में इस उत्सव को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। अखिल भारतीय रघुवंशी क्षत्रिय परिषद ने समस्त रघुवंशी समाज बंधुओं से अपील की है कि वे इस गौरवशाली आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सहपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम की

50 लाख रुपए की चोरी का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। जिले के जीरापुर थाना क्षेत्र में हुई 50 लाख की सनसनीखेज चोरी का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पदाफांश कर दिया है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में जीरापुर पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीन मुख्य आरोपियों और चोरी की रकम छिपाने में मदद करने वाले उनके एक साथी सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से 41 लाख नकद, एक अटिंगा कार, दो मोटरसाइकिलें और चोरी में इस्तेमाल किया गया सब्बल बरामद किया गया है। घटना के समय शादी में गया था परिवार घटना के अनुसार, जीरापुर के माताजी मोहल्ला निवासी फरियादी अब्दुल रईस ने 16 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने अपनी जमीन बेचकर मिले 50 लाख घर के दीवान में रखे थे। 15 अक्टूबर को जब परिवार राजस्थान में एक सगाई समारोह में गया था, तब चोरों ने बंद मकान का फायदा उठाकर दीवान से नकदी पार कर दी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच शुरू की। पुलिस तपतीश में



सामने आया कि आरोपी सोहेल खान, फुजेल उर्फ फैजल और असमत उर्फ समर लाला (तीनों निवासी जीरापुर) छत के रास्ते आपस में जुड़ी छतों का फायदा उठाकर घर में घुसे थे। वारदात के बाद आरोपियों ने भ्रम फैलाने के लिए नीचे का गेट खोल दिया और नकदी लेकर फरार हो गए। उन्होंने चोरी की रकम को पहले अपने घरों और कब्रिस्तान में छिपाया, फिर अगले दिन खिलचौपुर निवासी अपने साथी तौसीफ के पास रखवा दिया। पुलिस ने सोहेल, फुजेल और असमत से 13-13 लाख तथा तौसीफ से 2 लाख नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपियों का पूर्व में भी अपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

जन मुद्दों पर आर-पार के मूड में जन संसद

भारतीय लोकतंत्र व संविधान के संरक्षण के लिए सड़क पर उतरने की हुई तैयारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। लोकतंत्र, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए शहर में जन आंदोलनों को एक नया मंच मिलने जा रहा है। स्थानीय एक निजी होटल में आयोजित परिचर्चा में सर्वसम्मति से 'जन संसद' के गठन का निर्णय लिया गया है। इस बैठक में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न जन मंचों से जुड़े प्रतिनिधियों ने हिस्सा लेकर संघर्ष की रूपरेखा तैयार की गई।

संसद में मौजूद राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है। किसानों,



आदिवासियों और आम नागरिकों के खिलाफ नीतियां बनाई जा रही हैं। बमौरी विधायक ऋषि अग्रवाल ने आरोप लगाया कि विधानसभा में जनहित के सवालों पर चर्चा

कराने के बजाय सदन को स्थगित कर जनता की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। एडवोकेट पुष्पराग ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि नदियों के पुनरुद्धार, पर्यावरण संरक्षण और

लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने के लिए एक साझा मंच की जरूरत थी। बैठक में डॉ. विष्णु शर्मा, मनीष श्रीवास्तव, मनोहर मरठा, राकेश मिश्रा और नरेंद्र भदौरिया ने विचार रखे। वक्ताओं ने

एसआईआर, वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने की आशंकाओं, स्मार्ट मीटर योजना और सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण के खिलाफ एकजुट होकर आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। बैठक का संचालन लोकेश शर्मा ने और आभार शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने व्यक्त किया। परिचर्चा में छात्र, युवा, महिला, किसान, आदिवासी और पर्यावरण से जुड़े लगभग 50 से अधिक जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इसके साथ ही हरि विजयवर्गीय, आलोक नायक, पंकज कनेरिया, सीमा यादव, पार्षद बंटी सेन और पार्षद नरेंद्र सहित कई वरिष्ठ नागरिकों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

अंगद ने रावण को दी चुनौती, लक्ष्मण मूर्छित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। स्थानीय सुभाषगढ़ स्थित रामलीला मंच पर श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल द्वारा आयोजित रामलीला के 13वें दिन की लीला का मंचन रात्रि 9 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रामायण जी, भगवान गणेश जी, भगवान श्रीराम-लक्ष्मण जी एवं हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। आरती रामकिसन साहू, मुकेश साहू एवं उनके साथियों द्वारा की गई। लीला के प्रथम दृश्य में भगवान श्रीराम जामवंत की सलाह पर अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजते हैं। अंगद राम नाम का जयकारा लगाते हुए लंका पहुंचते हैं और रावण को माता सीता का सम्मानपूर्वक लौटाने तथा भगवान श्रीराम की शरण में आने की सलाह देते हैं, लेकिन अहंकार में डूबा रावण उनकी बात मानने से इनकार कर देता है। इसके बाद अंगद रावण की सभा में अपना पैर जमा देते हैं और चुनौती देते हैं कि यदि उसकी सेना का कोई भी योद्धा उनका पैर हिला दे, तो श्रीराम की सेना सीता माता को हारकर वापस लौट जाएगी। रावण की सभा में उपस्थित अनेक योद्धा पैर उठाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कोई सफल नहीं होता। अंत में स्वयं रावण आगे बढ़ता है, तब अंगद उसे समझाते हैं कि उनके पैर पकड़ने के बजाय भगवान श्रीराम के चरणों में झुकने से उसका कल्याण हो सकता है। अंगद-रावण संवाद के दौरान कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और जोशीले संवादों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। इसके बाद अंगद वापस भगवान श्रीराम के पास पहुंचकर रावण के हठ की जानकारी देते हैं। भगवान श्रीराम युद्ध की तैयारी का आदेश देते हैं और वानर-भालू सेना जयकारे लगाते हुए लंका की ओर प्रस्थान करती है।



लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का हुआ शानदार मंचन अगले दृश्य में लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के दौरान मेघनाद द्वारा शक्ति प्रहार किए जाने से लक्ष्मण जी मूर्छित हो जाते हैं। लक्ष्मण जी को मूर्छित देखकर भगवान श्रीराम व्याकुल हो उठते हैं और उन्हें गोद में लेकर विलाप करते हैं। इस भावुक दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद विभीषण की सलाह पर हनुमान जी लंका से वैद्य सुषेण को लेकर आते हैं। वैद्य सुषेण लक्ष्मण जी की स्थिति देखकर बताते हैं कि हिमालय से संजीवनी बूटी लाने पर ही उनके प्राण बचाए जा सकते हैं। वे यह भी बताते हैं कि बूटी रात समाप्त होने से पहले लानी होगी। भगवान श्रीराम की आज्ञा लेकर हनुमान जी संजीवनी बूटी की तलाश में निकल पड़ते हैं। रास्ते में रावण द्वारा भेजे गए कालनेमि से उनका सामना होता है। कालनेमि के षड्यंत्र को विफल करते हुए हनुमान जी हिमालय पहुंचते हैं। वहां अनेक जड़ी-बूटियों के बीच संजीवनी बूटी की पहचान न कर पाने पर वे पूरा पर्वत ही अपने हाथों में उठा लेते हैं और आकाश मार्ग से वापस लौटते हैं।

सुनील आचार्य की पहल से महादेवखेड़ी स्टेशन पर रुकी साबरमती एक्सप्रेस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। नवदुर्गा के पावन पर्व पर एक समय ऐसा आया जब सैकड़ों यात्रियों की खुशियां चिंता में बदल गईं। रेलवे पेप पर भरोसा कर बीना से टैक्सी के जरिए महादेवखेड़ी स्टेशन पहुंचे यात्रियों को तब तगड़ा झटका लगा, जब उन्हें पता चला कि साबरमती एक्सप्रेस का यहां कोई ठहराव ही नहीं है। रातभर का सफर तय कर पहुंचे इन यात्रियों में महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे शामिल थे। तैयारी सीजन के चलते स्टेशन पर

खाने-पीने और बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव था, जिससे बच्चों और बुजुर्गों की मुसीबतें और बढ़ गईं। दोपहर तक गुना या अशोकनगर जाने के लिए कोई अन्य ट्रेन न होने से सैकड़ों यात्रियों का हजूम स्टेशन पर ही फंस गया। ऐसे में संकट की इस घड़ी में समाजसेवी सुनील आचार्य फरिश्ता बनकर सामने आए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने फौरन यात्रियों के वीडियो और समस्याएं सोशल मीडिया के माध्यम से भोपाल रेल मंडल के प्रबंधकों तक पहुंचाई। सुनील

आचार्य की इस त्वरित अपील का असर तुरंत देखने को मिला। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए फौरन ट्रेन को महादेवखेड़ी स्टेशन पर रोकने के निर्देश जारी कर दिए। कुछ ही देर में जब साबरमती एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर संकट की इस घड़ी में समाजसेवी सुनील यात्रियों के चेहरों पर राहत की मुस्कान लौट आई। सुरक्षित अपनी मांजिल की ओर रवाना हुए यात्रियों और स्थानीय लोगों ने रेल प्रशासन के साथ-साथ सुनील आचार्य का आभार जताया है।



घायलों को जिला अस्पताल तो पहुंचा दिया गया, लेकिन इसके बाद प्रशासनिक व्यवस्थाओं की एक और लापरवाही सामने आई। नितिन की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तुरंत भोपाल रेफर करने की सलाह दी, परंतु अस्पताल में समय पर एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इस गंभीर चूक से परिजनों और स्थानीय नागरिकों में भारी रोष है। फिलहाल दोनों घायलों का इलाज जिला अस्पताल में ही जारी है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सहरिया आदिवासी छात्रावास में कराया कन्या भोज गुना। नवरात्रि की सप्तमी के पावन अवसर पर अभ्युदय क्लब द्वारा खेड़ापति स्थित सहरिया आदिवासी बालिका छात्रावास में कन्या भोज, इनरवियर वस्त्र और फूड पैकेट वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस मौके पर क्लब की संस्थापक व सेवा भारती छात्रावास उपाध्यक्ष रेनु अग्रवाल ने छात्रावास की गतिविधियों की जानकारी दी।



शक्ति वंदन

सामर्थ्य संवर्धन, राष्ट्र रक्षा और
सनातन सांस्कृतिक चेतना का
उद्घोष



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय शस्त्र पूजन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 अक्टूबर 2026 | डीआरपी लाइन, इंदौर

परंपरा से राष्ट्र गौरव तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में
भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं की समृद्धि
और राष्ट्र की सुरक्षा का पूर्ण हो रहा संकल्प

आत्मनिर्भरता से सामरिक उत्कर्ष

आधुनिक सैन्य क्षमताओं, स्वदेशी शस्त्रों
और सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सशक्त और
आत्मनिर्भर हो रहा भारत

वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता

देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक
हमारे वीर सैनिकों को इस विशेष दिन शत-शत नमन

आइए, शस्त्र पूजन के इस पावन अवसर पर अपनी गौरवशाली संस्कृति को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लें।
प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं

सीधा प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



jansamparkMP

